इस्लाम का परिचय - एक मुसलमान की कलम से

(अनवर शेख द्वारा लिखी पुस्तक 'इस्लाम' से)

1. इस्लामी राज्य में गैर-मुसलमान अभिशापित लोगों के समान तिरस्कृत किए जाते हैं। इसलिए वे किसी प्रकार के अधिकार के योग्य नहीं समझे जाते हैं क्योंकि अल्लाह काफिरों का शत्रु है। (कुरान 2 - 98)
2. निश्चय ही अल्लाह ने काफिरों पर लानत की है और उनके लिए दहकती आग तैयार कर रखी है जिसमें वे सदा रहेंगे। कुरान (33 : 64, 65)
3. इमान लाने वालों को चाहिए कि वे काफिरों को अपना संरक्षक/मित्र न बनाएं। (कुरान 3-28)
4. कुरान (9 - 29) के अनुसार मुस्लिम राज्य में रहने वाले गैर-मुसलमानों को जजिया देने का विधान है जो कि गैर-मुसलमान होने के कारण जुर्माना है।
5. इस्लामी कानून के अनुसार बलात्कार को सिद्ध करने के लिए चार चश्मदीन गवाहों की जरूरत होती है जो असम्भव है। बलात्कार की स्थिति में आरोपी उल्टा पीड़ित महिला पर ही आरोप लगाता है कि अपने आकर्षण द्वारा उसके इमान को भ्रष्ट किया गया है। आरोपी को पुलिस छोड़ देती है, पीड़ित महिला को जेल में डाल देती है। फिर पुलिस उस पीड़ित महिला से बलात्कार करती है।
6. सांसारिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए हिंसा का प्रयोग और गैर-मुसलमानों को आतंकित करना इस्लामी नैतिकता है।
7. जिहाद अल्लाह के आदेशों में से एक है जो इस्लामी नैतिकता का एक अभिन्न अंग है, गैर-मुसलमानों पर अल्लाह की आज्ञा (इस्लाम) थोपने के लिए उनकी हत्या करना, लूटना, बलात्कार करना, स्त्रियों को विधवा तथा बच्चों को अनाथ बनाने का अल्लाह का खुला आदेश है।
8. जन्नत में अत्यन्त शान-शौकत और भोग विलास के वातावरण में हूरें और गिलमान निवास करते हैं। हूरें - अत्यन्त सुन्दर, नौजवान, कुंवारी, आकर्षक आँखों और उभरे सीनें वाली लड़कियां हैं। गिलवान - मोती की तरह सुन्दर नौजवान लड़के हैं। इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि वे भाग्यशाली हूरों के साथ भरपूर ऐशो आराम कर सकें अल्लाह ने उनकी वीर्यवत्ता को सौ गुणा बढ़ा दिया है।
9. अल्लाह और पैगम्बर दोनों साथ-साथ आदेश देते हैं और एक मुसलमान को दोनों की आज्ञा मानना चाहिए। अल्लाह का कानून वही है जो मुहम्मद कहता है। अल्लाह वही कहता है जो पैगम्बर के अनुकूल होता है। उदाहरण - एक मुसलमान एक समय में चार बीवियां रख सकता है। लेकिन अल्लाह ने मुहम्मद को नौ बीवियां रखने की इजाजत दी है।
10. गैर-मुसलमानों के प्रति-घृणा इस्लामी अस्तित्व का केन्द्र बिन्दू है। वह सभी अविश्वासियों को नरक का निवासी कहता है।
11. उनसे युद्ध करो यहां तक कि मूर्तिपूजा शेष न रहे।

कृष्ण चन्द्र गर्ग
0172-4010679
kcg831@yahoo.com